

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III -खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 224]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 27, 2013/भाद्र 5, 1935

No. 224]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 27, 2013/BHADRA 5, 1935

गोवा राज्य और संघ शासित क्षेत्र का संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग अधिसूचना

गुडुगांव, ७ अगस्त, 2013

सं. जेईआरसी-11/2010. —िवद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 181 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों और इसके कारण प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा पिछले प्रकाशन के बाद गोवा राज्य और संघ शासित क्षेत्र का संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग एतद्वारा गोवा राज्य और संघ शासित क्षेत्र का संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत आपूर्ति संहिता) विनियम, 2010 में निम्नलिखित संशोधन करता है।

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभण :—

- (1) इन विनियमों को गोवा राज्य और संघ शासित क्षेत्र का संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत आपूर्ति कोड) प्रथम संशोधन विनियम, 2013 कहा जाएगा।
 - (2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. मूल विनियमों के विनियम 1.2(ञ) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए:—

'कनेक्टेड लोड' का अर्थ है, ऊर्जा की खपत करने वाले सभी उपकरणों, जिनमें पोर्टेबल उपकरण शामिल हों लेकिन अतिरिक्त, खराब तथा जले हुए उपकरण शामिल न हों, के निर्माता की रेटिंग का योग, जिसका एक साथ इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे किलोवाट, केवीए या एचपी यूनिटों में व्यक्त किया जाएगा तथा इन विनियमों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित किया जाएगा।

3715 GI/2013

3. मूल विनियमों के नियम 3.3(5) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए: — यदि किसी श्रेणी के किसी कनेक्शन के लिए कनेक्टेड/अनुबंधित लोड 100 कि.वा. या अधिक का अनुमान लगाया जाता है तो उपभोक्ता की लगात पर पर्याप्त क्षमता का एक टांसफार्मर अलग से लगाया जाएगा।

लगाया जाता है तो उपभोक्ता की लागत पर पर्याप्त क्षमता का एक ट्रांसफार्मर अलग से लगाया जाएगा। ट्रांसफार्मर, सब-स्टेशन, स्विच गीयर, मीटर और पैनलों को रखने के लिए उपभोक्ता द्वारा जगह/स्थान नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा, जिस तक लाइसेंसधारी द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता हो।

4. मूल विनियमों के विनियम 3.6 (ख) (9) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए: — बहु उपभोक्ता परिसरों, जैसे ग्रुप हाउसिंग सोसायटी और वाणिज्यिक परिसरों के मामले में मांगे गए नए कनेक्शन के लिए यदि लोड 100 कि.वॉट से कम है तो विशेषकर एलटी पर एक मीटर तथा यदि लोड 100 कि.वॉट से अधिक है, तो एचटी का एक मीटर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। तथापि, इससे व्यक्तिगत मालिक या किसी परिसर का कब्जाधारी केवल व्यक्तिगत कनेक्शन के लिए आवेदन करने तक ही सीमित नहीं होगा और लाइसेंसधारी ऐसे कनेक्शन को एलटी पर स्वीकृत करेगा। यदि किसी कनेक्शन के कनेक्टेड/अनुबंधित लोड का 100 कि.वॉट या अधिक का अनुमान लगाया जाता है, तो पर्याप्त क्षमता का एक ट्रांसफार्मर उपभोक्ता की लागत पर अलग से लगाया जाना चाहिए। उपभोक्ता द्वारा ट्रांसफार्मर, सब-स्टेशन, स्विच गीयर, मीटरों और पैनलों को रखने के लिए अपेक्षित जगह/कक्ष नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा, जिस तक लाइसेंसधारी द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता हो।

वितरण लाइसेंसधारी वितरण प्रणाली के लिए अपेक्षित संपूर्ण आधारभूत ढांचे का विकास, निर्माण, विस्तार और उसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होगा, जिसमें उनकी निजी लागत पर निर्मित 33/11 कि.वा. या 11/0.4 कि.वा. का सबस्टेशन शामिल होगा। आधारभूत ढांचा/वितरण प्रणाली के बढ़ाने और उसका विस्तार करने की लागत को आयोग द्वारा अनुमोदित टैरिफ के जिए एआरआर में वसूल करने की अनुमित होगी। तथापि, उपभोक्ता सेवा कनेक्शन प्रभार अर्थात् मेन डिस्ट्रीब्यूशन से आपूर्ति प्वाइंट तक आयोग द्वारा समय-समय पर अनुमोदित अनुसार राशि का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा।

टिप्पणी: विकासकर्ता/भवननिर्माता/सोसायटी/उपभोक्ता में कोई भी एजेंसी, चाहे सरकारी, स्थानीय निकाय या निजी, जो बहु-उपभोक्ता परिसर का निर्माण करती हैं, शामिल होगी।

5. मूल विनियमों के विनियम 3.6 (ग) (18) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए: — समूह उपभोक्ता किसी एक प्वाइंट पर वितरण लाइसेंसधारी द्वारा आपूर्ति का विकल्प चुनने के लिए पात्र होगा बशर्ते कि आपूर्ति का उपयोग आवासीय उद्देश्य के लिए किया जाए जिसमें पानी की आपूर्ति को पंप करने के लिए पंप तथा सामान्य क्षेत्र के लिए प्रकाश-व्यवस्था करना जैसे समूह उपभोक्ता के लिए सामान्य सुविधाओं का लोड शामिल होगा। सामान्य सेवाओं के लिए ऊर्जा की खपत को अलग से मीटर में दर्ज किया जाएगा, इन्हें उपभोक्ता द्वारा लगवाया जाएगा, इनकी जांच और सील लाइसेंसधारी द्वारा लगाई जाएगी तथा बिल घरेलू टैरिफ के उच्चतम स्लैब पर लगाया जाएगा।

समूह उपभोक्ता लाइसेंसधारी को कनेक्टेड लोड सिहत प्रत्येक गैर-घरेलू कार्यकलाप का कनेक्शन लेते समय या अनुबंधित मांग का विस्तार करते समय ब्योरा सूचित करेगा तथा गैर-घरेलू कार्यकलाप की गैर-घरेलू टैरिफ श्रेणी के अंतर्गत अलग से मीटर और बिलिंग की जाएगी। ऐसे मामले में सामान्य सेवाओं के लिए ऊर्जा की खपत की गैर-घरेलू टैरिफ श्रेणी में बिलिंग की जाएगी।

6. मूल विनियमों के विनियम 4.13 (3) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए: —

उपभोक्ताओं की सभी श्रेणियों का कनेक्टेड लोड उपभोक्ता के परिसरों में सभी ऊर्जा खपत उपकरणों की विनिर्माता की रेटिंग का योग होगा, लेकिन इसमें अतिरिक्त, खराब और जले हुए उपकरण शामिल नहीं होंगे, जिसका एक साथ इस्तेमाल किया जा सकता हो। इसे कि.वा., केवीए या एचपी यूनिटों में व्यक्त किया जाएगा। कनेक्टेड लोड के निर्धारण की प्रक्रिया के दौरान यदि किसी मद पर निर्माता की दर उपलब्ध न हो/दर्शाई न गई हो, तो लोड अनुलग्नक-। में दिए गए ब्योरे के अनुसार लिया जाएगा। लाइसेंसधारी ऐसे उपकरण के लोड का निर्धारण करने के लिए उपयुक्त उपकरण का भी इस्तेमाल कर सकता है। यदि एयर कंडीशनर और रूम हीटर/ग्रीसर उसी परिसर में पाए जाते हैं तो कृलिंग या हीटिंग उपकरणों का लोड उच्च दर पर लिया जाएगा। तथापि, रेस्ट्रेंट/होटल की रसोई में गीजरों/वाटर हीटरों के लोड की गणना गर्मी के महीनों में भी ए.सी. के लोड अनुसार की जाएगी। बिक्री/मरम्मत या स्पेयर/अतिरिक्त के रूप में स्टॉक में रखी गई मदों पर कनेक्टेड लोड के निर्धारण के उद्देश्य से विचार नहीं किया जाएगा। लाइसेंसधारी स्ट्रीट लाइटों का समय-समय पर सर्वेक्षण करेगा और इस्तेमाल किए जा रहे लैम्पों के प्रकार तथा उनके लोड को दर्ज करेगा। उपभोक्ताओं के लोड का सर्वेक्षण सामान्यता दो वर्ष में एक बार किया जाएगा। लाइसेंसधारी समय-समय पर चयनित क्षेत्रों में लोड का सत्यापन भी करेगा। प्राधिकृत अधिकारी उपभोक्ता के ऐसे परिसर का सर्वेक्षण भी कर सकता है और यदि कनेक्टेड लोड स्वीकृत लोड से अधिक पाया जाता है तो लोड के अतिरिक्त भाग पर 250 रुपए/कि.वॉ. की दर से दण्ड लगाया जाएगा और ऐसे मामलों में स्वीकृत लोड निरीक्षण के समय पाए गए कनेक्टेड लोड तक स्वत: बढ़ा दिया जाएगा और अगले बिल में सुरक्षा जमा राशि की अतिरिक्त राशि ली जाएगी। जहां किसी उपभोक्ता को एमडीआई विशेषता वाला मीटर दिया जाता है, यदि किसी बिल चक्र की वास्तविक अधिकतम मांग अनुबंधित मांग/कनेक्टेड लोड से बढ़ जाती है जैसाकि मीटर के उपकरण में दर्शाई गई अधिकतम मांग द्वारा दर्ज किया गया हो, तो वहां दण्ड 250 रुपए प्रति केवीए/िक.वाॅ. की दर से लिया जाएगा। यदि एमडीआई मीटर में वास्तविक अधिकतम मांग लगातार 3 बिल चक्रों में स्वीकृत लोड से अधिक होती है तो ऐसे उपभोक्ताओं को स्वीकृत लोड को पिछले 3 बिल चक्रों में दर्ज की गई अधिकतम मांग के औसत तक स्वत: बढ़ा दिया जाएगा और सुरक्षा जमा राशि की अतिरिक्त राशि को अगले बिल चक्र से वसूल लिया जाएगा।

- 7. मूल विनियमों के विनियम 6.4(3) को हटा दिया जाए।
- 8. मूल विनियमों के विनियम 7.7 (1) (iii) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए: यदि अतिरिक्त लोड पाया जाता है तो उसे हटा दिया जाएगा या नियमित कर दिया जाएगा तथा उपभोक्ताओं को अतिरिक्त सुरक्षा जमा राशि का 250 रुपए/कि.वॉ. की दर से स्वीकृत लोड या अन्य कोई प्रभार, जो लागू हों, से अधिक पाए गए लोड के दण्ड का भुगतान करने के लिए कहा जाएगा। उपभोक्ता को विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 126 के अनधिकृत उपयोग के लिए बक नहीं किया जाएगा।
- 9. मूल विनियमों के विनियम 7.8 (1) (ii) में संशोधन को निम्नानुसार स्थापित किया जाए: इस विनियम में विद्युत अधिनियम, 2003 की 'धारा 126 के अंतर्गत' को 'धारा 135 के अंतर्गत' पढ़ा जाए।
- 10. मूल विनियमों के विनियम 8.1 (16) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए:— जब मीटर गैर-कार्यात्मक हो, तो उस अवधि के लिए ऊर्जा प्रभारों की वसूली करने हेतु पिछले वर्ष के संबंधित माह/बिल चक्र की औसत मासिक खपत ली जानी चाहिए। यदि यह उपलब्ध न हो तो, पिछले एक वर्ष की औसत मासिक खपत ऊर्जा प्रभारों की वसूली के लिए ली जानी चाहिए बशर्ते कि यह न्यूनतम मासिक प्रभार या अन्यथा आयोग के विद्यमान टैरिफ आदेश में उपलब्ध कराए गए प्रभार के अधीन हो। यदि जांच मीटर उपलब्ध हो, तो जांच मीटर की रीडिंग की खपत का आकलन करने के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। एचटी

उपभोक्ताओं के मामले में यदि अविध के दौरान, जब मीटर खराब हो, और चेक मीटर न लगाया गया हो या वह भी खराब पाया जाता है, तो आपूर्ति की गई बिजली की मात्रा को ऊपर उल्लेख किए गए अनुसार निर्धारित किया जाएगा। यदि मीटर उसकी स्थापना के तत्काल बाद खराब हो जाता है और पिछली खपत उपलब्ध न हो, तो बिलिंग अनुलग्नक-7 में विनिर्दिष्ट फार्मूला के आधार पर अनंतिम रूप से की जाएगी बशर्ते कि समायोजन अगले वर्ष की संबंधित अविध की औसत खपत पर किया जाए। यदि यह उपलब्ध न हो, तो समायोजन बाद के एक वर्ष/लगभग एक वर्ष की औसत खपत के आधार पर किया जाएगा। ऐसी अनंतिम/औसत बिलिंग 2 बिलिंग चक्रों से अधिक के लिए जारी नहीं रहेगी।

11. मूल विनियमों के विनियम 10.1 में संशोधन को निन्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए: —

- (क) विद्युत के अनधिकृत उपयोग के रूप में माने जाने वाले मामले
- 1) अधिनियम की धारा 126 के प्रावधानों के अंतर्गत आकलन के उद्देश्य से उपभोक्ता की ओर से निम्नलिखित कार्यों को बिजली का अनिधकृत उपयोग माना जाएगा;
- (i) किसी कृत्रिम उपाय द्वारा; या
- (ii) ऐसा उपयोग जो संबंधित व्यक्ति या प्राधिकारी या लाइसेंसधारी द्वारा अधिकृत न हो; या
- (iii) मीटर के साथ छेड़छाड़ करने पर; या
- (iv) जिस उद्देश्य के लिए बिजली का उपयोग अधिकृत किया गया था उसके भिन्न प्रयोजन के लिए बिजली का उपयोग करना; या
- (v) ऐसे परिसर या क्षेत्र, जिसके लिए बिजली की आपूर्ति प्राधिकृत की गई थी, के अलावा किसी परिसर हेत् बिजली का इस्तेमाल करना।
- (ख) ऐसे मामले जिन्हें बिजली के अनधिकृत उपयोग के रूप में न माना गया हो।
- (i) यदि किसी एलटी उपभोक्ता (घरेलू उपभोक्ता सहित) का कनेक्टेड लोड, लोड के बढ़ने या लैंप, पंखे, फ्यूज, स्विच, कम वोल्टेज वाले घरेलू उपकरणों, फिटिंग्स आदि के बदलने के बाद स्वीकृत/अनुबंधित लोड से भिन्न पाया जाता है तो यह न तो बिजली के अनिधकृत उपयोग (ईए 2003 की धारा 126) के अंतर्गत आएगा और न ही बिजली की चोरी माना जाएगा (ईए 2003 की धारा 135)।
- (i) मुख्य कार्यकलाप से संबद्ध कार्यकलापों के लिए आपूर्ति, उदाहरण के लिए नर्सिंग होम तथा अस्पतालों में केमिस्ट की दुकान, चाय की दुकान, कैंटीन, कर्मचारी सहकारी स्टोर, औषधालयों, पेट्रोल पंपों में पंक्चर लगाने की दुकान को आपूर्ति, बशर्ते कि ऐसे कार्यकलापों के लिए कनेक्टेड लोड स्वीकृत लोड या 5 कि.वॉ, जो भी कम हो, के 5% के अंदर हो।
- (ii) घरेलू/गैर-घरेलू कनेक्शन(नों), कनेक्शन से आपूर्ति का भवन/भूखंड के अन्य भागों में विस्तार करने जिनमें आवासीय क्षेत्रों में सर्वेंट क्वार्टर, निजी पार्किंग गैराज शामिल हों या व्यक्तिगत धार्मिक कार्यों, खेलों आदि से संबंधित सामाजिक आवश्यकताएं शामिल हों, जिसके लिए कनेक्शन को बकाया का भुगतान न करने के कारण काटा गया हो और जहां श्रेणी के प्रयोग में कोई परिवर्तन न हुआ हो।
- (iii) डॉक्टरों, इंजीनियरों, वकीलों, सीए, पत्रकारों और परामर्शदाता जैसे व्यावसायिक, जो स्थल के उपलब्ध कराए जाने के बावजूद अपने आवास से प्रेक्टिस कर रहे हों, बशर्ते कि ऐसा प्रयोग परिसर क्षेत्र या 50 वर्ग मीटर, जो भी कम हो, के 25% से अधिक न हो बशर्ते कि एमडीआई मीटर स्थापित किए गए हों।
- (iv) आवास से चल रहे कुटीर और वाणिजयिक कार्यकलापों जैसे मोची द्वारा जूते की मरम्मत, धोबी द्वारा कपड़ों की प्रेस, सिलाई/कढ़ाई, पान की दुकान और बेकरी उतपादों आदि छोटी दुकानों, चाय की दुकानों आदि के लिए कुल लोड (अधिकतम मांग) 5 कि.वा. घरेलू टैरिफ लागू होगा, बशर्ते कि

एमडीआई मीटर लगे हों। ऐसे मामलों में जहां कुल लोड 5 कि.वा. से अधिक हो, वहां वाणिज्यिक और घरेलू उपयोग के लिए अलग मीटर लगाए जाने चाहिए तथा खपत को लागू टैरिफ के अनुसार लिया जाएगा।

(v) औद्योगिक या वाणिज्यिक परिसरों में, जहां आपूर्ति का इस्तेमाल एक या अधिक व्यक्तियों द्वारा किया जाता है, जहां व्यवसाय में भागीदरी होती है या परिसर में विभाजन होता है या जहां उत्तराधिकार के साथ कनेक्शन का प्रयोक्ता बदल जाता है।

12. मूल विनियमों के विनियम 10.3 (ख) (i) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए: —

(i) यदि आकलन अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि परिसरों में बिजली का अनिधकृत उपयोग हुआ है तो वह उचित रसीद द्वारा परिसर के उपभोक्ता/व्यक्ति, जिसके पास कब्जा हो या जो प्रभारी हो, को अनितम आकलन आदेश देगा, तथा अनितम आकलन आदेश के खिलाफ आपित्तियां, यदि कोई हो, के खिलाफ 7 दिनों का समय देते हुए सुनवाई की तारीख निर्धारित करेगा। मीटर के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में आकलन मीटर में हुई खपत के आधार पर किया जाएगा अन्यथा खपत की गई यूनिट का आकलन विनियमों से संबद्ध अनुलग्नक-7 में उपलब्ध दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाएगा।

13. मूल विनियमों के विनियम 10.3 (ग) (iv) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए: —

- (iv) खंड 10.3(ग)(iii) के अंतर्गत आकलन अवधि, जिसके दौरान ऐसी अनिधकृत खपत की गई हो, के लिए विभाग को हुई वित्तीय हानि के दुगुने तक सीमित होगी अर्थात् अवधि के दौरान वास्तव में भुगतान किए गए शुल्क और विद्युत प्रभारों की संगत श्रेणी के अनुसार उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए जाने वाले अपेक्षित विद्युत प्रभारों के अंतर का दुगुना, बशर्ते कि इसकी अधिकतम अवधि 12 महीने हो।
- 14. मूल विनियमों के अनुलग्नक-। में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए: मिक्सी के अनुलग्नक-। लोड के कॉलम नं.2 लाइन सं.6 में 60 वॉट को 200 वॉट से बदला जाए। मूल विनियमों का अनुलग्नक-।. मौजूदा नोट के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाए:-
- (छ) प्रयोग न होने वाले प्लग प्वाइंटों की गणना न की जाए।
- (ज) खराब उपकरण जैसे कूलर, रेफ्रिजरेटर, टी.वी., प्रेस, ओवन आदि, जो कनेक्टेड न हों तथा कार्य न कर रहे हों, की गणना न की जाए।
- (ञ) बिक्री/मरम्मत के प्रयोजन हेतु स्टॉक में रखी गई मदों या स्पेयर/अतिरिक्त के रूप में वास्तव में रखी गई मदों पर कनेक्टेड लोड के निर्धारण के उद्देश्य से विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- (ट) गीजरों/रूम हीटरों या एयर कंडीशनरों का लोड, जो भी अधिक हो, की गणना नहीं की जानी चाहिए। तथापि, रेस्टुरेंटों/होटलों की रसोई में लगे गीजरों/वॉटर हीटरों के लोड की गर्मियों के महीनों के लिए एसी के लोड के अनुसार गणना की जानी चाहिए। एयर कंडीशनरों (हीटर के बिना) के भार को अप्रैल से सितंबर तक के माह के लिए लिया जाना चाहिए जबिक गीजरों के लोड और रूम हीटरों की गणना दिसंबर, जनवरी और फरवरी के महीनों के अनुसार की जानी चाहिए।
- (ठ) यूपीएस उपकरण के मामले में यूपीएस की अधिकतम दर क्षमता की बजाय यूपीएस द्वारा लिए गए वास्तविक लोड की गणना की जानी चाहिए।
- (ड) लोड की अन्य किसी मद की निर्माता की रेटिंग के अनुसार गणना की जाएगी।
- (ढ) यदि ऊर्जा खपत उपकरण की दर केवीए में है तो इसे 0.9 के विद्युत घटक सिहत केवीए से गुणा करके कि.वॉ. में परिवर्तित किया जाएगा तथा यदि ऊर्जा खपत उपकरण की दर एचपी में हो तो उसे 0.746 से एचपी को गुणा करके कि.वॉ. में परिवर्तित किया जाएगा।
- (ण) 1 कि.वॉ. के न्यूनतम लोड के अधीन 500 वॉट से कम के लोड के अंश को पूर्णांक संख्या के निकटतम न्यूनतम स्तर तक पूर्णांकित किया जाएगा तथा 500 वॉट और अधिक के लोड को पूर्ण संख्या के निकटतम उच्च स्तर तक पूर्णांकित किया जाएगा।

15. मूल विनियमों के अनुलग्नक-7 में पैरा (1.2), (1.3) और (1.4) में संशोधन को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए:—

1.2 प्रयोज्यता :-

यदि मीटर के साथ कोई छेड़छाड़ न की गई हो तो बिजली के अनिधकृत उपयोग के लिए ली जाने वाली राशि का आकलन अनिधकृत प्रयोग की अविध के लिए मीटर में हुई खपत के आधार पर होगा।

(i) बिजली की चोरी अर्थात् बिना किसी मीटर के ऊपरीशीर्ष आपूर्ति लाइनों या भूमिगत केबल की टैपिंग द्वारा बिजली लेने के मामले में उपभोग की गई यूनिटों के आकलन की गणना पद्धति अनुलग्नक-7 (क ख ग घ फार्मूला) में दी गई है। यह फार्मूला तब भी लागू होगा यदि मीटर लगाया गया हो लेकिन बिजली मीटर/मीटर के उपकरण/मीटर के उपकरण की तारों या किसी अनधिकृत उपकरण से छेड़छाड करके ली जा रही हो जिससे मीटर द्वारा उपयोग की गई ऊर्जा को दर्ज करने की सटीकता प्रभावित होती हो।

1.3 अधिनियम की धारा 126 के अंतर्गत बिजली के अनिधकृत प्रयोग के मामले में विद्युत प्रभारों का आकलन

- (i) जहां यह निष्कर्ष निकाला गया हो कि बिजली का अनिधकृत उपयोग हुआ है, वहां आकलन संपूर्ण अविध के लिए किया जाएगा जिसके दौरान ऐसा अनिधकृत प्रयोग चल रहा हो। तथापि यदि अविध, जिसके दौरान बिजली का ऐसा अनिधकृत उपयोग हुआ हो, का पता न लगाया जा सकता हो, तो ऐसी अविध निरीक्षण की तारीख के तत्काल पहले बारह महीनों की अधिकतम अविध तक सीमित होगी।
- (ii) आकलन सैद्धांतिक रूप से विभाग को हुई वित्तीय हानि के दुगुने तक सीमित होगा, अविध जिसके दौरान बिजली का ऐसा अनिधकृत उपयोग हुआ हो, अर्थात् टैरिफ की संगत श्रेणी के अनुसार भुगतान किए जाने वाले बिजली के प्रभारों तथा अविध, जो अधिकतम 12 माह की अविध होगी, के दौरान वास्तव में भुगतान किए गए विद्युत प्रभारों के अंतर का दुगुना।
- (iii) ऐसे मामलों, जहां नियत मासिक शुल्क मौजूद हो, वहां आकलन मासिक दर के दुगुने पर लिया जाएगा।
- (क) ऐसे मामलों, जहां बिजली का उपयोग अधिकृत प्रयोजन के अलावा किया गया हो:

जिस श्रेणी के लिए लोड स्वीकृत किया गया हो उसके अलावा श्रेणी, जिस पर उच्च टैरिफ लागू हो, की आपूर्ति के उपयोग के मामले में वास्तविक उपयोग की श्रेणी से संबंधित टैरिफ पर बिजली की आपूर्ति के प्रभारों तथा स्वीकृति श्रेणी के अनुसार भुगतान किए गए टैरिफ के बीच के अंतर को मीटर की खपत के आधार पर निकाला जाएगा। ऐसे मामलों में दंड संगत अविध के लिए इन प्रभारों के अंतर का दुगुना होगा।

तथापि, इस उद्देश्य के लिए उपयोग की गई बिजली आपूर्ति का टैरिफ, जिसके लिए लोड स्वीकृत किया गया था, की श्रेणी की तुलना में न्यून टैरिफ लागू हो, को बिजली का अनधिकृत उपयोग नहीं माना जाएगा और कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

(ख) मीटर के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में:

मीटर के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में ऊर्जा को अनुलग्नक-7 में दिए गए क ख ग घ फार्मूला के अनुसार निकाला जाएगा। मीटर के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में ऊर्जा खपत को अनुलग्नक-7 में दिए गए क ख ग घ फार्मूला के आधार पर आकलित किया जाएगा। क ख ग घ फार्मूला के अनुसार आकलित खपत के लिए बिजली प्रभार तथा छेड़छाड़ किए गए मीटर की खपत के आधार पर वास्तव में

- भुगतान किए गए प्रभारों को निकाला जाएगा। ऐसे मामलों में दंड, प्रभारों में अंतर का दुगुना होगा जिसमें से संगत अवधि के उपभोक्ता द्वारा दिए गए भुगतान को घटा दिया जाएगा।
- (ग) ऐसे परिसरों के लिए आपूर्ति का विस्तार करना जिसके लिए बिजली की आपूर्ति प्राधिकृत नहीं थी: अधिकृत परिसरों से अनिधकृत परिसरों द्वारा की गई खपत को मीटर की कुल खपत के आधार पर अधिकृत और अनिधकृत परिसरों के कुल लोड की तुलना में ऐसे परिसरों के लोड के अनुपात में निकाला जाएगा। ऊपर गणना किए गए अनुसार अनिधकृत परिसरों की खपत को उस परिसर के लोड के आधार पर निकाले गए अनिधकृत परिसरों हेतु उपभोक्ता द्वारा दी गई वास्तविक राशि को समायोजित करने के बाद अनिधकृत परिसरों में लोड के उपयोग की श्रेणी पर लागू टैरिफ से दुगुना प्रभार लिया जाएगा।
- (घ) बिजली के अनिधकृत उपयोग के सभी मामलों में बिजली प्रभार ऊपर विनिर्दिष्ट अनुसार लगाए जाते रहेंगे जब तक कि बिजली के अनिधकृत उपयोग में सुधार नहीं हो जाता।
- 1.4 ऊर्जा की चोरी के मामले में आकलन:
 - (1) चोरी के मामले में ऊर्जा का आकलन अनुलग्नक-7 में दिए गए क ख ग घ फार्मूला के आधार पर किया जाएगा (बिजली के अनिधिकृत उपयोग के मामले के अनुसार)। तथापि, चोरी के मामले में उपयोग की गई यूनिटों की गणना 'ग' के उपयुक्त लोड घटक के अनुसार निकाली जाएगी।
 - (2) इस प्रकार आकलित खपत को लागू सामान्य टैरिक से दुगुना प्रभार लिया जाएगा।

लोड घटक और विविधता घटक

क्र.सं.	श्रेणी	उद्देश्य	विविधता घट॥	ਕੀ ड घट□
1.		प्र□ शि-व्यवस्था और पंखे	2.5	30%
	आवासीय उपभोक्ता	हीटिंग उप🛮 रण दिसंबर-	2.5	15%
		जनवरी-फरवरी		
		ू लिंग उप□ रण		
		अप्रैल-सिंतबर	2.5	50%
		अक्तूबर-मार्च	2.5	NIL
2.	गैर-आवासीय उपभोक्ता	प्र□ाश-व्यवस्था और पंखे	1.5	40 %
		हीटिंग उप🛮 रण दिसंबर-	1.5	20%
		जनवरी-फरवरी		
		ू लिंग उप□ रण		
		अप्रैल-सिंतबर	1.5	50%
		अक्तूबर-मार्च	1.5	श्ट्य
3.		इंजीनियरिंग 🛮 ार्यशाला	1.8	ए। पारी । लिए 30%
	एलटी औद्योगि□			दो पारी 🗅 लिए 50%
	उ पभोक्ता			तीन पारी 🗎 लिए 70%
				प्रत्ये। पारी आठ घंटे

Г Т						
	विद्युत 🛮 रघा और वस्त्र					
	(i) 🛮 रघा और वस्त्र लोड	1.8	ए। पारी । लिए 40%			
			दो पारी 🗋 लिए 70%			
			प्रत्ये□ पारी बारह घंटे			
	(ii) ट्विस्टिंग एम/सी लोड	1.8	पहली पारी 🗋 लिए 45%			
			दूसरी पारी 🗅 लिए 90%			
			प्रत्ये□ पारी बारह घंटे			
	आईस-क्रीम निर्माता	आईस-क्रीम निर्माता				
	फरवरी-अक्तूबर	1.8	ए। , दो और तीन पारी 🗅			
			लिए 30%, 60% और 80%,			
			प्रत्ये। पारी आठ घंटे तथा			
			प्रत्ये। बारह घंटे 🛭 पारी 🗎			
			लिए 45% और 80%			
	नवंबर-जनवरी	1.5	ए। , दो और तीन पारी 🗅			
			लिए 20%, 40% और 60%,			
			प्रत्ये। पारी आठ घंटे तथा			
			प्रत्ये। बारह घंटे 🛭 पारी 🗎			
			लिए 30% और 60%			
	आईस फैक्टरी					
	फरवरी-अक्तूबर	1.5	ए□, दो और तीन पारी 🗎 लिए			
			35%, 60% और 80%, प्रत्ये□			
			पारी आठ घंटे तथा प्रत्ये। बारह			
			घंटे पारी 🗋 लिए ४५% और			
			80%			
	नवंबर-जनवरी	1.5	ए🛮 , दो और तीन पारी 🗎 लिए			
			20%, 40% और 60%, प्रत्ये।			
			पारी आठ घंटे तथा प्रत्ये। बारह			
			घंटे पारी 🗋 लिए 30% और			
			60%			
	शीत भंडारण					
	फरवरी-अक्तूबर	1.5	75%			
	नवंबर-जनवरी	1.5	50%			
	सोसायटी वॉटर पंप	1.5	25%			
	सिनेमा/थियेटर	1.5	60%			
	आटा मिल	1.5	30%			

		गिनिंग और प्रेसिंग	1.5	60%
		फाउंड्री, प्लास्टिं□ , रबड़	1.5	50%
		खनन, खदान और पत्थर	1.2	60%
		तोड़ना		
		रसायन	1.2	60%
		वस्त्र प्रोसेसिंग इ🛮 ाइयां	1.2	70%
		हीरा उद्योग	1.5	12 घंटे 🛭 ए० पारी 🕽 लिए
				50%
		अन्य	1.5	ए। पारी । लिए 30%
				दो पारी 🗋 लिए 60%
				तीन पारी 🗋 लिए 80%
				प्रत्ये। पारी आठ घंटे
4.	िसी श्रेणी 🗋 लिए	ृषि श्रेणी	1.0	50%
	सीधा 🛮 नेक्शन	अन्य □ोई श्रेणी	1.0	100%
5.	मीटर टैरिफ 🗅		1.0	40%
	अंतर्गत 🛭 षि			
	उपभोक्ता			
6.	अस्थायी विद्युत		1.0	50%
	आपूर्ति			

आर.के. मलिक, सचिव

[विज्ञापन-III/4/असाधारण/218-आई/13]

JOINT ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION FOR THE STATE OF GOA AND UNION TERRITORIES

NOTIFICATION

Gurgaon, the 7th August, 2013

No. JERC-11/2010.— In exercise of powers conferred under section 181 of the Electricity Act, 2003 and all other powers enabling it in this behalf, and after previous publication, the Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories hereby makes the following amendments in Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa & UTs (Electricity Supply Code) Regulations, 2010.

1. Short title and commencement:

- (1) These Regulations may be called The Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa & UTs (Electricity Supply Code) first amendment Regulations, 2013.
 - (2) These Regulations shall come into force from the date of their publication in Official Gazette.

2. Amendment in Regulation 1.2 (J) of the principal Regulations is to be replaced as under:-

'Connected Load' means, aggregate of the manufacturer's rating of all energy consuming devices including portable devices but excluding standby, defective and burnt devices which can be simultaneously used. This shall be expressed in kW, kVA or HP units and shall be determined as per the procedure laid down in these Regulations.

3. Amendment in Regulation 3.3 (5) of the principal Regulations is to be replaced as under:-

In case the connected / contracted load of any connection of any category is projected to be 100 kW or more, a separate transformer of adequate capacity shall be installed at consumer's cost. The space/room required for housing the transformer, substation, switch gears, meters and panels shall be provided by the consumer, free of cost, which is easily accessible to the licensee.

4. Amendment in Regulation 3.6 (B) (9) of the principal Regulations is to be replaced as under:-

In case of multi consumer complexes, such as Group Housing Societies and Commercial Complexes, the new connection sought, shall preferably be provided with single meter on LT if load is below 100kW and on HT if load is 100 kW or more. However this shall not restrict the individual owner or occupier of any premises for applying for individual connection and the licensee shall sanction such connection on LT. In case the connected / contracted load of any connection is projected to be 100 kW or more, a separate transformer of adequate capacity shall be installed at consumer's cost. The space/room required for housing the transformer, substation, switch gears, meters and panels shall be provided by the consumer, free of cost, which is easily accessible to the licensee.

The distribution licensee shall be responsible to develop, construct, augment and maintain the entire infrastructure required for distribution system, including 33/11 kV or 11/0.4 kV substation, at his own cost. The cost of augmentation and extension of infrastructure/distribution system shall be allowed to be recovered in ARR through tariff approved by the Commission, after prudent check. However, the consumer shall be liable to pay service connection charges i.e. cost of service connection from distribution main to the point of supply, as approved by the Commission from time to time.

Note: The developer/ builder/ society/ consumer includes any agency whether Government, local body or private that constructs the Multi-Consumer Complex.

5. Amendment in Regulation 3.6 (C) (18) of the principal Regulations is to be replaced as under:-

The Group user shall be eligible to opt supply by a distribution licensee at a single point provided that the supply shall be used for residential purpose including the loads of common amenities for the

group user like pumps for pumping water supply and lighting of common area. The consumption of energy for common services shall be separately metered with meters installed by the consumer and tested and sealed by licensee and billed at highest slab of domestic tariff.

The Group user shall inform the details of every non-domestic activity along with the connected load to the licensee at the time of seeking connection or at the time of enhancement in contract demand & non-domestic activity shall be separately metered & billed under non-domestic tariff category. The consumption of energy for common services under such case shall be billed under non-domestic tariff category.

6. Amendment in Regulation 4.13 (3) of the principal Regulations is to be replaced as under:

The connected load of all categories of consumers shall be aggregate of the manufacturer's rating of all energy consuming devices, in the consumer's premises but excluding standby, defective and burnt devices, which can be used simultaneously. This shall be expressed in kW, kVA or HP units. During the process of determination of connected load, if the manufacturer's rating is not available/indicated on any item, the load shall be taken as per detail in Annexure-1. The licensee may also use suitable apparatus to determine the load of such devices. If both Air Conditioners and room heaters/geysers are found in the same premises, the load of cooling or heating devices with higher rating shall be taken into account. However, the load of geysers/water heaters in kitchen of Restaurants/Hotels shall be counted with the load of A.Cs. even for the summer months. The items stocked for the purpose of sale/repair or genuinely kept as spare/standby shall not be considered for the purpose of determination of connected load. The licensee shall carry out periodical survey of street lights and record the type of lamps being used along with their load. Survey of load of consumers shall be carried out normally once in two years. The licensee may also carryout verification of load in selected areas periodically. An authorized person may conduct a survey of such consumer's premises and in case, the connected load is found in excess of the sanctioned load, a penalty at the rate of Rs.250/kW shall be imposed on the excess portion of the load and the sanctioned load in such cases shall be automatically enhanced to the connected load found at the time of inspection and excess amount of security deposit shall be charged in next billing cycle. Where any consumer is provided with meter having MDI feature, the penalty shall be imposed at the rate of Rs.250/per kVA/kW in case actual maximum demand for any billing cycle exceeds the contracted demand/connected load, as recorded by the maximum demand indicating device of the meter. If the MDI meter reflects actual maximum demand higher than sanctioned load for 3 consecutive billing cycles, the sanctioned load of such consumers shall be automatically enhanced to average of the maximum demand recorded in previous 3 billing cycles and excess amount of Security Deposit shall be charged in next billing cycle.

7. Regulation 6.4 (3) of the principal Regulations is to be deleted.

8. Amendment in Regulation 7.7 (1) (iii) of the principal Regulations is to be replaced as under:-

Excess loads found shall be removed or regularized by asking consumers to pay the additional security deposit, penalty for load found in excess of the sanctioned load at the rate of Rs. 250/kW and any other charges as applicable. Consumer shall not be booked for unauthorized use u/s 126 of Electricity Act, 2003.

9. Amendment in Regulation 7.8 (1) (ii) of the principal Regulations is to be replaced as under:-

Under section 126 shall be read under section 135 of Electricity Act, 2003 in this Regulation.

10. Amendment in Regulation 8.1 (16) of the principal Regulations is to be replaced as under:-

In order to recover the energy charges for the duration when the meter remains non-functional, average monthly consumption of corresponding month/billing cycle of the previous year shall be adopted. If the same is not available, average monthly consumption of the previous one year shall be adopted for recovery of energy charges, subject to minimum monthly charges or as otherwise provided in the tariff order of the Commission in force. In case, check meter is available, the readings of the check meter may also be used for assessment of consumption. In case of HT consumers, if during the period when the main meter is defective, the check meter is not installed or is also found defective, the quantity of electricity supplied shall be determined as stated above. In case the meter becomes defective immediately after its installation and prior consumption is not available, then billing shall be done provisionally on the basis of formula specified in Annexure 7 subject to adjustment on the average consumption of corresponding period of next year. If the same is not available, adjustment shall be made with average consumption of subsequent period of one year/about one year. Such provisional / average billing shall not continue for more than 2 billing cycles.

11. Amendment in Regulation 10.1 of the principal Regulations is to be replaced as under:-

A) Cases to be treated as Unauthorized Use of Electricity

- 1) The following acts on the part of consumer are to be considered as unauthorized use of electricity for the purpose of assessment under the provisions of Section 126 of the Act;
- (i) By any artificial means; or
- (ii) By a means not authorized by the concerned person or authority or licensee; or
- (iii) Through a tampered meter; or
- (iv) For the purpose other than for which the usage of electricity was authorized; or
- (v) For the premises or areas other than those for which the supply of electricity was authorized.

B) Cases not to be treated as Unauthorized Use of Electricity.

- (i) If connected load of any LT consumer (including domestic consumer) is found to be at variance from the sanctioned/contracted load as a result of increase of load or due to replacement of lamps, fans, fuses, switches, low voltage domestic appliances, fittings etc. it shall neither fall under unauthorized use of electricity (Section 126 of EA 2003) nor under theft of electricity (Section 135 of EA 2003).
- (ii) Supply to activities incidental to main activity, for example supply to chemist shop in nursing homes and hospitals; tea shop, canteen, employees' cooperative store, dispensaries, puncture shop

- in petrol pumps etc. provided that the connected load for such activities remains within 5% of the sanctioned load or 5 kW, whichever is less.
- (iii) In case of domestic/non domestic connection(s), extension of supply from connection to other portion of the building/plot including for servant quarters, own parking garages or for social requirements relating to personal religious functions, sports etc. in residential areas so long as the supply is not extended to any portion for which connection has been disconnected due to non-payment of dues and there is no change in the category of use.
- (iv) Professional such as Doctors, Engineers, Lawyers, CAs, Journalists and Consultant practicing from their residence irrespective of location provided that such use shall not exceed 25% of the area of the premises or 50 sq meters, whichever is less subject to installation of MDI meters.
- (v) For cottage and commercial activities operating in residences such as repair of shoes by cobbler, dhobi, ironing of clothes, stitching/knitting, paan-shop and bakery products etc. small shops, tea shops etc. with total load (maximum demand) of 5 kW domestic tariff shall be applicable subject to installation of MDI meters. In cases where total load is more than 5kW, separate metering shall be done for commercial and domestic use and consumption shall be charged according to the tariff applicable.
- (vi) In industrial or commercial premises where the supply is used by one or more persons where partition in business takes place or division in the family occurs or where user of the connection changes due to succession.

12. Amendment in Regulation 10.3 (B) (i) of the Principal Regulations is to be replaced as under:-

(i) If the Assessing Officer comes to the conclusion that unauthorised use of electricity has taken place in the premises, he will serve a provisional assessment order upon the consumer/person in occupation or in charge of the premises under proper receipt, giving 7 days time for filing objections, if any, against the provisional assessment order and fixing a date of hearing. The assessment shall be done on the basis of metered consumption in case meter has not been tampered otherwise assessment of units consumed shall be done as per guidelines provided in Annexure-7 appended to the Regulations.

13. Amendment in Regulation 10.3 (C) (iv) of the Principal Regulations is to be replaced as under:-

(iv) The assessment under Clause 10.3(c) (iii) shall be limited to twice the financial loss caused to the department for the period during which such unauthorized use has taken place i.e. two times the difference of the electricity charges required to be paid by the consumer as per relevant category of tariff and electricity charges actually paid during the period, subject to maximum period of 12 months.

14. Amendment in Annexure-1 of the Principal Regulations is to be replaced as under:-

In Column No. 2 line No. 6 of Annexure 1 load of Mixie shall be replaced 200 watts in lieu of 60 watts.

Annexure-1 of the principal Regulations. Following shall be added at the end of existing note:-

- (g) Un-used plug points shall not be taken into account.
- (h) Defective appliances like coolers, refrigerator, T.V, Iron, Oven etc. which are not connected and not working shall not be taken into account.
- (i) Items stocked for purpose of sale/repair or genuinely kept as spare/standby shall not be considered for the purpose of determination of connected load.
- (j) The load of geysers/room heaters or air conditioners whichever is higher shall be counted. However, the load of geysers/water heaters provided in kitchen of Restaurants/Hotels shall be counted with the load of A.Cs. for the summer months. The load of air conditioners (without heater) shall be taken into account for the month of April to September whereas load of geysers and room heaters shall be counted for the months of December, January and February.
- (k) In case of UPS equipment, the actual load fed by the UPS shall be taken into account instead of maximum rated capacity of UPS.
- (l) Any other item of load shall be taken as per manufacturer's rating.
- (m) If the rating of the energy consuming device is in KVA, the same shall be converted into KW by multiplying KVA with power factor of 0.9 and if the rating of energy consuming device is in HP, it shall be converted into KW by multiplying HP with 0.746.
- (n) Subject to minimum load of 1KW, the fraction of load below 500 Watts shall be rounded to its nearest lower level of whole number and 500 Watts and above shall be rounded to nearest higher level of whole number.
- (o) Assessed load may be up to 110% of the approved connected load without imposition of any penalty.

15. Amendment in Para (1.2), (1.3) and (1.4) in Annexure -7 of the Principal Regulations is to be replaced as under:-

1.2 Applicability:-

In case, there is no tampering of meter involved, the assessment of amount to be charged for unauthorized use of electricity shall be based on metered consumption for the period of unauthorised use.

(i) The method of calculation of assessment of units consumed shall be as given in Annexure-7 (ABCD formula) in case of theft of electricity i.e. abstraction of power without any metering by tapping the overhead supply lines or underground cables. The formula will also be applicable if the meter is installed but abstraction of power is being made by tampering of meter/metering equipment/metering equipment wiring or by use of any unauthorized devices affecting the accuracy of recording of energy consumed by the meter.

1.3 Assessment of electricity charges in case of unauthorized use of electricity under Section 126 of the Act.

I. Where it is concluded that unauthorized use of electricity has taken place, the assessment shall be made for the entire period during which such unauthorized use has been continuing. If, however, the period during which such unauthorized use of electricity has taken place, cannot be

ascertained, such period shall be limited to a maximum period of twelve months immediately preceding the date of inspection.

- II. The assessment shall, in principle, be limited to twice the financial loss caused to the department for the period during which such unauthorised use of electricity has taken place i.e. two times the difference of amount of electricity charges required to be paid by the consumer as per relevant category of tariff and electricity charges actually paid during the period subject to maximum period of 12 months.
- III. In cases where fixed monthly tariff exist, monthly assessment shall be made at twice the monthly rate.

(A) For cases where usage of electricity is for other purpose than authorized:

In case of use of supply for the category on which higher tariff is applicable than the category for which load was sanctioned, the difference of electricity supply charges at the tariff relevant to category of actual use and charges paid with tariff as per sanctioned category shall be worked out on the basis of metered consumption. The penalty in such cases shall be twice the difference of these charges for the relevant period.

However, the electricity supply used for purpose on which lower tariff is applicable than the category of tariff for which load was sanctioned, it shall not be considered unauthorised use of electricity and no penal action shall be taken.

(B) For cases of tampering of meter:

In case of tampering of meter, the energy shall be worked out with ABCD formula as provided in Annexure-7. In case of tampering of meter, the energy consumption shall be assessed with ABCD formula as provided in Annexure-7. The difference of electricity charges for the assessed consumption with ABCD formula and charges actually paid on the basis of tampered meter consumption shall be worked out. The penalty in such cases shall be twice the difference in charges, paid less by the consumer, for the relevant period.

(C) For extension of supply to premises for which the supply of electricity was not authorized:

In case of extension of supply from the authorised premises to the premises specified as unauthorised, the consumption by such unauthorised premises shall be worked out in proportion to the load of such premises to the total load of the authorised and unauthorised premises on the basis of total metered consumption. The consumption of unauthorised premises as calculated above shall be charged at twice the tariff applicable for the category of use of load in unauthorised premises after adjusting the amount actually paid by the consumer for the unauthorised premises as worked out on the basis of load of that premises.

(D) Electricity charges in all cases of unauthorized use of electricity will continue to be levied as specified above till the cause of unauthorized use of electricity is rectified.

1.4 Assessment in case of Theft of Energy:

- (1) Assessment for energy in cases of theft shall be done based on ABCD formula provided in Annexure-7 (as in the case of un-authorised use of electricity). However, in case of theft, the units consumed shall be worked out with the appropriate Load Factor of 'C'.
- (2) The consumption so assessed shall be charged at two times the normal tariff applicable. Load Factor and Diversity Factor

Sr.	Category	Purpose	Diversity	Load Factor
No.			Factor	
1.		Lighting and Fans	2.5	30%
	Residential	Heating appliances Dec-	2.5	15%
	Consumers	Jan-Feb		
		Cooling appliances		
		April - Sept.	2.5	50%
		Oct March.	2.5	NIL
2.		Lighting and Fans	1.5	40 %
	Non-Residential	Heating appliances Dec -	1.5	20%
	Consumers	Jan-Feb		
		Cooling appliances		
		April - Sept	1.5	50%
		Oct March.	1.5	NIL
	•			
3.		Engineering Workshop	1.8	30% for one shift
	LT Industrial			50% for two shift
	Consumers			70% for three shift
				Each shift of eight hours
		Power looms and Textile		
		(i) Looms & Textile Load	1.8	40% for one shift
				70% for two shifts
				Each shift of twelve hours
		(ii) Twisting M/c Load	1.8	45% for one shift
				90% for two shifts
				Each shift of twelve hours
	Ice-cream Manufacturing			
		Feb - Oct	1.8	30%, 60% and 80% for
				one, two and three shifts,
				each shift of eight hours
				and 45% and 80% for each
				shift twelve hours
		Nov- Jan	1.5	20%,40% and 60% for one,
				two and three shifts, each

	<u> </u>	Г		1:0 0:1.1
				shift of eight hours and
				30% and 60% for each shift
				twelve hours
		Ice Factory		
		Feb - Oct	1.5	35%, 60% and 80% for
				one, two and three shifts,
				each shift of eight hours
				and 45% and 80% for each
				shift twelve hours
		Nov- Jan	1.5	20%,40% and 60% for one,
				two and three shifts, each
				shift of eight hours and
				30% and 60% for each shift
				twelve hours
		Cold storage		
		Feb - Oct	1.5	75%
		Nov- Jan	1.5	50%
		Society Water Pumps	1.5	25%
		Cinema /Theatres	1.5	60%
		Floor Mills	1.5	30%
		Ginning and pressing	1.5	60%
		Foundry, plastic, Rubber	1.5	50%
		Mining, Quarry & Stone	1.2	60%
		Crushing		
		Chemicals	1.2	60%
		Textile Processing Units	1.2	70%
		Diamond Industry	1.5	50% for one shift of 12 Hrs
		Other	1.5	30% for one shift
				60% for two shift
				80% for three shift
				Each shift of eight hours
4.	Direct connection for	Agricultural category	1.0	50%
	any category	Any other category	1.0	100%
5.	Agricultural		1.0	40%
	consumers under			
L	Metered tariff			
6.	Temporary Power		1.0	50%
	Supply			

R. K. MALIK, Secy. [ADVT.-III/4/Exty./218-I/13]